हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EPCH
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में आयोजित होने वाले हेमटेक्सटाइल 2025 में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, 14-17 जनवरी 2025

श्री गिरिराज सिंह, माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार ने इंडिया पैवेलियन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली - 15 जनवरी 2025: हेमटेक्स्टिल 2025 जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में शुरू हुआ और 17 जनवरी 2025 को समाप्त होगा। इंडिया पैवेलियन का उद्घाटन भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने किया। इस अवसर पर फ्रैंकफर्ट में भारत के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री बी.एस. मुबारक, आईएफएस, श्री रोहित कंसल, अतिरिक्त सचिव, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार; ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार; टेक्सटाइल ईपीसी, मेस्से फ्रैंकफर्ट के वरिष्ठ अधिकारी और भाग लेने वाले सदस्य निर्यातक गरिमामयी उपस्थिति रही, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया।

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने उद्घाटन करते हुए कहा कि हेमटेक्सटाइल 2025 में इंडिया पैवेलियन कपड़ा उद्योग में उत्कृष्टता और नवाचार का जश्न मनाता है। यहाँ भारत की उपस्थिति न केवल हमारी समृद्ध विरासत का प्रमाण है, बल्कि टिकाऊ और अत्याधुनिक कपड़ा समाधानों में वैश्विक पहचान बनने की हमारी गतिशील यात्रा का भी प्रतिबिंब है। उन्होंने भारत पैवेलियन में वैश्विक खरीदारों को भारत द्वारा पेश की जाने वाली विविधता और नवाचार का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। माननीय कपड़ा मंत्री ने सदस्य प्रतिभागियों के साथ बातचीत भी की और भविष्य के व्यापार संवर्धन में सभी प्रकार के समर्थन का आश्वासन दिया।

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने कहा कि भारत की भागीदारी से मेले की जीवंतता और सांस्कृतिक विविधता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हेमटेक्सटाइल अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं, खुदरा विक्रेताओं और ब्रांडों के लिए वस्त्र, घरेलू सामान और उपभोक्ता उत्पादों में भारत की मजबूत क्षमताओं का पता लगाने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है। उन्होंने भारत के सुस्थापित पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला, जो पारंपरिक शिल्प कौशल को आधुनिक उत्पादन तकनीकों के साथ जोड़ता है, जो वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करता है। श्री बैद ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने, बाजार पहुंच का विस्तार करने और एक पसंदीदा सोर्सिंग हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर भी जोर दिया।

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि हेमटेक्सटाइल इंटीरियर टेक्सटाइल, होम फर्निशिंग और घरेलू कपड़ों के लिए दुनिया के प्रमुख आयोजनों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह व्यापार मेला अत्याधुनिक डिजाइन, पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों और नवीनतम रुझानों को प्रदर्शित करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो दुनिया भर के खरीदारों, डिजाइनरों और उद्योग के पेशेवरों से महत्वपूर्ण रुचि आकर्षित करता है। यह आयोजन भारत को अपने "भारत के अतुल्य वस्त्रों" को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जो देश की अद्वितीय विविधता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कला और शिल्प की दीर्घकालिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है।

श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि हेमटेक्सटाइल में भारत की बढ़ती उपस्थिति वैश्विक मानकों और उपभोक्ता वरीयताओं के साथ तालमेल बिठाने में भारतीय निर्यातकों द्वारा की गई निरंतर प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उद्योग द्वारा स्थिरता और प्राकृतिक और जैविक फाइबर के उपयोग पर बढ़ते फोकस ने वैश्विक बाजार में भारत की अपील को और मजबूत किया है। उन्होंने आगे कहा कि ईपीसीएच ने देश के विभिन्न हिस्सों से 18 सदस्य निर्यातकों की भागीदारी का समन्वय किया है, जो हॉल 5.0, हॉल 6.2 और हॉल 9.1 में अपने संग्रह प्रदर्शित कर रहे हैं।

ईपीसीएच, देश से विभिन्न वैश्विक गंतव्यों तक हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और भारत की छवि को उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में प्रस्तुत करने वाली नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि 2023-24 के दौरान भारत से 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का हस्तशिल्प निर्यात किया गया, जिसमें रुपये के संदर्भ में 9.13% की जबकि डॉलर के संदर्भ में 6.11% की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2023-24 के दौरान जर्मनी को हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्यात 1,530.14 करोड़ रुपये (184.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा ।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच;
+91-9810697868

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH MARKED PRESENCE IN HEIMTEXTIL 2025, FRANKFURT, GERMANY 14th – 17th January' 2025

Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India inaugurates India Pavilion

NEW DELHI – 15th January 2025: The Heimtextil 2025 got underway at Frankfurt, Germany and will conclude on 17th January 2025. The India Pavilion was inaugurated by Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India in the presence of Shri B. S. Mubarak, IFS, Consul General, Consulate General of India, Frankfurt; Shri Rohit Kansal, Additional Secretary, Ministry of Textiles, Govt. of India; Dr. Rakesh Kumar, Chief Mentor in a role of Director General, EPCH & Chairman, IEML; Senior Officials from Textiles EPCs, Messe Frankfurt and participating member exporters were present informed Shri. R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India while inaugurating shared that India Pavilion at Heimtextil 2025 celebrates excellence and innovation in the textile industry. India's presence here is not just a testament to our rich heritage but also a reflection of our dynamic journey toward becoming a global leader in sustainable and cutting-edge textile solutions. He further invited global buyers at India Pavilion to explore the diversity and innovation that India offers. Hon'ble Minister of Textiles also interacted with member participants and assured all support in future business promotions.

Shri. Dileep Baid, Chairman, EPCH, shared that India's participation will enhance the fair vibrancy and cultural diversity of the exhibition. He stated that Heimtextil offers a valuable opportunity for international manufacturers, retailers and brands to explore India's strong capabilities in textiles, home furnishings and consumer products. He highlighted India's well-established ecosystem, which blends traditional craftsmanship with modern production techniques, offering a competitive advantage in global markets. Mr. Baid also emphasized the importance of such events in fostering international collaborations, expanding market reach and reinforcing India's position as a preferred sourcing hub.

Dr. Rakesh Kumar, Chief Mentor in a role of Director General, EPCH & Chairman, IEML shared that Heimtextil is one of world's premier events for interior textiles, home furnishings, and household fabrics. He remarked that the trade show serves as a hub for unveiling cutting-edge designs, eco-friendly products and the latest trends, drawing significant interest from buyers, designers, and industry professionals worldwide. This event provides a vital platform for India to showcase its "Incredible Textiles of India," representing the country's unparalleled diversity, rich cultural heritage and longstanding traditions of arts and crafts.

Shri. R. K. Verma said that India's growing presence at Heimtextil reflects the steady progress made by Indian exporters in aligning with global standards and consumer preferences. He stressed that the industry's increasing focus on sustainability and the use of natural and organic fibers further strengthens India's appeal in the global market. He further added that EPCH has coordinated the participation of 18 member exporters from various parts of the country, displaying their collections in Hall 5.0, Hall 6.2, and Hall 9.1.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US $ 3,956 Million), with exports to Germany was Rs. 1,530.14 crore (USD 184.88 million) informed Shri. R. K. Verma, Executive Director - EPCH.

For more information please contact:
Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH:
+91-9810697868
Encl: Hindi, English version and photos

Photo 1 & 2: India Pavilion got inaugurated by Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Govt. of India by Ribbon cutting in the presence of Shri B. S. Mubarak, IFS, Consul General, Consulate General of India, Frankfurt; Shri Rohit Kansal, Additional Secretary, Ministry of Textiles, Govt. of India; Dr. Rakesh Kumar, Chief Mentor in a role of Director General, EPCH & Chairman, IEML; Senior Officials from Textiles EPCs, Messe Frankfurt; Shri. R. K. Verma, Executive Director – EPCH and participating member exporters during Heimtextil 2025, Frankfurt, Germany.

Photo 3: Visitors doing business enquiries with EPCH exhibitors at EPCH India pavilion during Heimtextil 2025, Messe Frankfurt, Germany.